संभाग पोस्ट
साप्ताहिक
RNI: MPHIN/2015/60688
जिलों से संभाग तक का सच
email:sambhagpost@gmail.com
वर्ष-9 । अंक-48 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 28 अप्रैल 2026 से 04 मई 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

जाँच का 'पोस्टमार्टम' करने की तैयारी?

कुर्सी से चिपकी अध्यक्ष

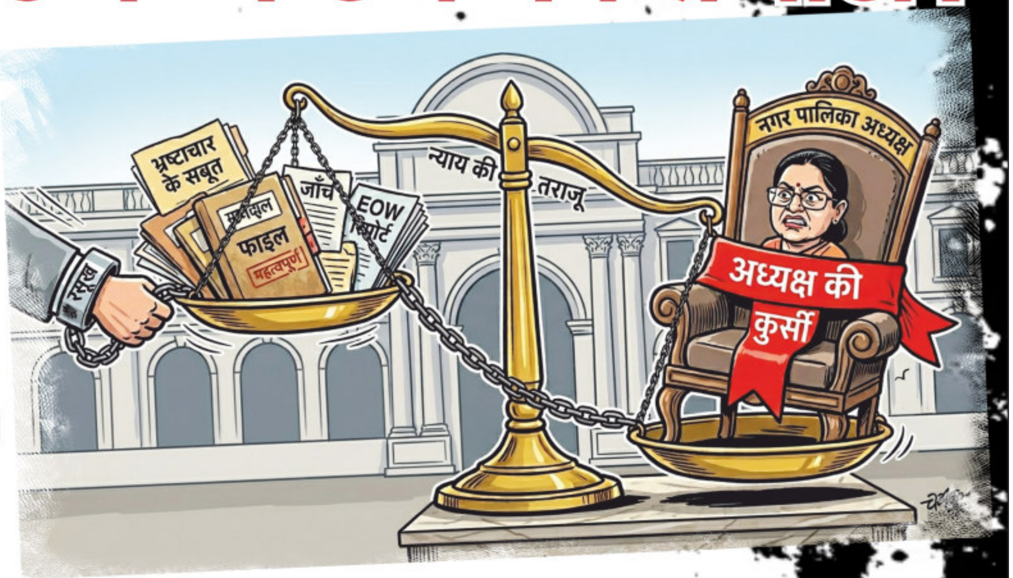

खतरे में भ्रष्टाचार के सबूत

संभाग पोस्ट
जिलों से संभाग तक का सच
प्रति मंगलवार, इंदौर, 07 अप्रैल 2026 से 13 अप्रैल 2026

नगर पालिका खरगोन में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा

ई.ओ.डब्ल्यू के रडार पर अध्यक्ष छाया जोशी

नोटिस जारी

अध्यक्ष छाया जोशी

SPECIAL REPORT

NAGAR PALIKA KHARGONE

7 अप्रैल 2026 के अंक में प्रमुखता से उठाया मुद्दा

रिकॉर्ड रूम में 'मैनेजमेंट' का खेल शुरू?

आरोपी खुद उसी दफ्तर का मालिक बना बैठा हो, तो ई. ओ. डब्ल्यू. को वही कागज़ मिलेंगे जो अध्यक्ष जी दिखाना चाहेंगी।

SPECIAL REPORT

✍ नवीन गलकर

खरगोन/इंदौर। खरगोन नगर पालिका में भ्रष्टाचार का जो 'जिन्न' बोतल से बाहर आया है, उसे वापस कैद करने के लिए अब 'सत्ता के जादूगर' सक्रिय हो गए हैं। ई.ओ.डब्ल्यू. का नोटिस मिलने के बाद नैतिकता का तकाजा तो यह था कि अध्यक्ष छाया जोशी तुरंत पद त्याग कर जाँच का सामना करतीं, लेकिन यहाँ तो 'कुर्सी मोह' ने सारे सिद्धांतों को सूली पर चढ़ा दिया है। अब बड़ा सवाल यह नहीं है कि जाँच होगी या नहीं, सवाल यह है कि क्या जाँच के लिए कुछ 'सबूत' बचेंगे भी? जानकारी के अनुसार नगर पालिका के गलियारों में दबी जुबान में चर्चा है कि ई.ओ.डब्ल्यू. की टीम फाइलें खोलने की तैयारी कर रही है, और यहाँ खरगोन में फाइलों को 'ठिकाने' लगाने का काम युद्धस्तर पर जारी है।

यह किसी भी लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है कि भ्रष्टाचार के संगीन आरोपों से घिरी शख्सियत उसी कुर्सी पर बैठकर जाँच की दिशा तय कर रही है। जानकारों का मानना है कि ई.ओ.डब्ल्यू. इंदौर की टीम ने जिस सक्रियता से शिकंजा कसा है, उसे मुकाम तक पहुँचाने के लिए अध्यक्ष का पद से दूर रहना अनिवार्य है। यह महज आशंका नहीं, बल्कि एक कड़वी हकीकत लग रही है कि पद का दुरुपयोग कर साक्ष्यों के साथ 'सर्जिकल स्ट्राइक' की जा रही है। प्रशासनिक अमला और सरकार मौन रहकर शायद इस तमाशे का लुत्फ ले रहे हैं। जाँच की 'शुचिता' तब तक एक मजाक है, जब तक छाया जोशी को उनके पद से हटाया नहीं जाता। यह साफ है कि जाँच को प्रभावित करने, गवाहों को तोड़ने और सुबूतों को 'रद्दी' में तब्दील करने की बिसात बिछाई जा चुकी है। क्या अध्यक्ष छाया जोशी के पद पर रहते हुए आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ एक निष्पक्ष और पारदर्शी जाँच कर पाएगी?

आने वाले अंकों में हम बेनकाब करेंगे उन चेहरों को, जो पर्दे के पीछे से इस जाँच को 'मैनेज' करने की बिसात बिछा रहे हैं।

शिकायतकर्ता :- भ्रष्टाचार के खिलाफ यह लड़ाई शहर की जनता के हक के लिए शुरू की है। अध्यक्ष का अपने पद पर बने रहना स्पष्ट रूप से जाँच को प्रभावित करने की एक साजिश है। हमें अंदेशा है कि साक्ष्यों को मिटाया जा रहा है, लेकिन हम चुप बैठने वाले नहीं हैं। यदि जाँच में कोई भी ढिलाई या रसूख का प्रभाव दिखा, तो हम माननीय न्यायालय की शरण लेंगे। हम कोर्ट से मांग करेंगे कि जाँच की निगरानी अदालत स्वयं करे ताकि कोई भी 'बड़ा हाथ' भ्रष्टाचारियों को बचा न सके। हमारी लड़ाई अंतिम सांस तक जारी रहेगी।'

सुविचार

तरक्कियों की दौड़ में उसी का जोर चल गया,
बना के रास्ता जो भीड़ से निकल गया।

संपादकीय

आप को बड़ा झटका

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो-तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊर्जावान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश करके आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति-नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था।

गर्मी का असर सड़को पर..!

विगत दो सप्ताह से निमाड़ मे गर्मी का तापमान अधिक बढ़ गया है।सुबह होते ही तेज धुप से लोग परेशान हो रहे है।जैसे जैसे सुबह से दोपहर होती है सड़को व मार्केट मे सन्नाटा छा जाता है। सड़को पर इसका इतना असर हो रहा है की हर कोई जल्दबाजी मे तेज गति से वाहन चलाता नजर आता है। गर्मी के असर से दुर्घटनाए बढ़ गई है। सभी से निवेदन इतना है की बहुत जरुरी कार्य हो तभी बाहर निकले साथ ही वाहन की गति धीमी रखे, क्योंकि तेज वाहन की गति से दुर्घटना हो सकती है। एक सप्ताह मे बड़वाह नगर क्षेत्र मे करीब चार-पांच लोग दुर्घटना के ऐसे शिकार हुए की जान गवाना पड़ी शोक का माहौल है चर्चा यही है की गर्मी की तेजी दिमाग़ पर असर करती है और हर कोई जल्दी के चक्कर मे यह भूल जाता है। की वह कितनी लापरवाही से वाहन चला रहा है। तेज गर्मी से स्वस्थ पर भी असर होता है। इसलिए आप जितनी सावधानी रखे उतने ही आप सुरक्षित व स्वस्थ रहेंगे..!

एन.एस.सोलंकी प्रदेश संयोजक-सामाजिक विचार मंच बड़वाह,जिला-खरगोन।

जीव सेवा का प्रेरक संदेश

भोरड़ा में 'पंछी आवास' का शुभारम्भ

प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने दी जानकारी

■ **भोरड़ा (जालोर)। संभाग पोस्ट**

प्रकृति संरक्षण और जीव दया की भावना को साकार करते हुए गाँव भोरड़ा में शुक्रवार को दिव्य सरोवर के पावन तट पर 'पंछी आवास' का भव्य शुभारम्भ श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। इस पुण्य अवसर पर संत श्री राजारामजी पावन तीर्थधाम शिकारपुरा के पूज्य महंत श्री 108 श्री दयारामजी महाराज के करकमलों द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मठ कालन्द्री व गिरनारी आश्रम भोरड़ा के श्री प्रकाशगिरीजी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की।

उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, श्रद्धालु एवं आसपास के गांवों से आए गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह और सेवा भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। 'पंछी आवास' का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में पक्षियों को सुरक्षित, शांत एवं निर्भय वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे स्वतंत्र रूप से निवास कर सकें और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में अपनी भूमिका निभा सकें।

संतों ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि धर्म की वास्तविक सार्थकता केवल मानव सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि समस्त जीव-जंतुओं के संरक्षण और सेवा में भी निहित है। उन्होंने इस पहल को जीव दया, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उल्लेखनीय है कि 'पंछी आवास' का निर्माण स्वर्गीय तेजारामजी एवं स्वर्गीय राणारामजी पुत्र स्व. श्री अमरारामजी चौधरी की पुण्य स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा कराया गया है। इस सेवा कार्य में पुत्र हनुमानाराम, पौत्र रमेश चौधरी, गणेश चौधरी तथा पड़पौत्र अनिरुद्ध, विवान और रियांश चौधरी सहित समस्त चौधरी (फक) परिवार का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि यह पहल न केवल पक्षियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करेगी, बल्कि समाज में जीव दया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम भी बनेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देंगे। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया और भविष्य में भी ऐसे कार्यों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री ने लिए किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय

■ **इंदौर। नगर प्रतिनिधि**

मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी द्वारा किसानों के हित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय—भूमि अधिग्रहण पर 4 गुना मुआवजा देने की घोषणा करने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल जी ,भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा, मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा जी के नेतृत्व में इंदौर में भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान केबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट जी ने किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के इस निर्णय की सराहना की और इसे किसानों के लिए ऐतिहासिक बताया। इस अवसर पर विधायक उषा ठाकुर जी , जीतू जिराती जी जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री सुमेर सिंह सोलंकी तथा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विशाल पाठक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। उत्सव के दौरान मिठाई वितरण, आतिशबाजी एवं ढोल-धमाकों के साथ हर्षोल्लासपूर्वक कार्यक्रम मनाया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के इस किसान हितैषी निर्णय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम किसानों की आर्थिक सशक्तता की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और प्रदेश के अन्नदाताओं को सीधा लाभ प्रदान करेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया तथा मध्यप्रदेश सरकार के प्रति आभार प्रकट किया।

इंदौर में तालाबों का जलस्तर कम

यशवंत सागर में १३ फीट पानी, कई इलाकों में जलसंकट

• इंदौर । विशेष प्रतिनिधि

इंदौर में गर्मी के तेवर दिन-ब-दिन तीखे होते जा रहे हैं और शहर की जल वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शहर के बड़े हिस्से की प्यास बुझाने वाले यशवंत सागर तालाब में 13 फीट पानी बचा हुआ है। इस तालाब से हर दिन 30 एमएलडी पानी लिया जा रहा है। देवधरम टेकरी पर फिल्टर करने के बाद इस पानी को शहर की पांच टंकियों में सप्लाई के लिए भेजा जाता है। पहले तालाब से 35 एमएलडी पानी लिया जाता था। इस तालाब की कुल क्षमता 19 फीट है।

शहर के आठ हजार से ज्यादा सरकारी बोरिंगों में से कई बोरिंग सूख चुके हैं, जबकि ज्यादातर बोरिंगों में पानी का स्तर कम हो गया है। यही हाल निजी बोरिंगों का भी है। इस कारण शहर में पानी की मांग बढ़ गई है। पहले कई परिवारों की पानी की जरूरत निजी बोरिंगों से पूरी हो जाती थी, लेकिन अब वे भी नर्मदा जल पर निर्भर हो गए हैं।

२०० से ज्यादा टैंकरों से बांटा जा रहा पानी

शहर में टैंकरों की संख्या बढ़ा दी गई है। 85 वार्डों में टैंकर लगाए गए हैं। जिन वार्डों का क्षेत्रफल ज्यादा बड़ा है, वहां दो-तीन टैंकर लगाए गए हैं। इसके अलावा नगर निगम के 40 से ज्यादा सरकारी टैंकरों से भी पानी बांटा जा रहा है। इन किराए के टैंकरों पर निगम हर माह दो से तीन करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। मई माह तक शहर में टैंकरों के माध्यम से जल वितरण जारी रहेगा।

शहर के तालाबों की स्थिति (पानी की गहराई फीट में):

यशवंत सागर	13 फीट
बिलावली	10.4 फीट
छोटा बिलावली	0 फीट
बड़ा सिरपुर	10 फीट
छोटा सिरपुर	14 फीट
पिपल्याहाना	7.3 फीट

२० प्रतिशत इलाकों में नर्मदा लाइन नहीं

शहर के 20 प्रतिशत इलाकों में अभी नर्मदा लाइन नहीं पहुंची है। वहां सबसे ज्यादा पानी की किल्लत है। शहर के सीमावर्ती इलाके इसमें शामिल हैं। बायपास और रिंग रोड की कॉलोनियों के अलावा लसूडिया क्षेत्र के इलाकों में जल संकट ज्यादा है। वहीं शहर के बाणगंगा, चंदन नगर, एरोड्रम रोड, प्रजापत नगर और अन्नपूर्णा क्षेत्र में भी नल कम दबाव से आ रहे हैं। कई इलाकों में एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है।

मालवा निमाड़ बना भट्टी

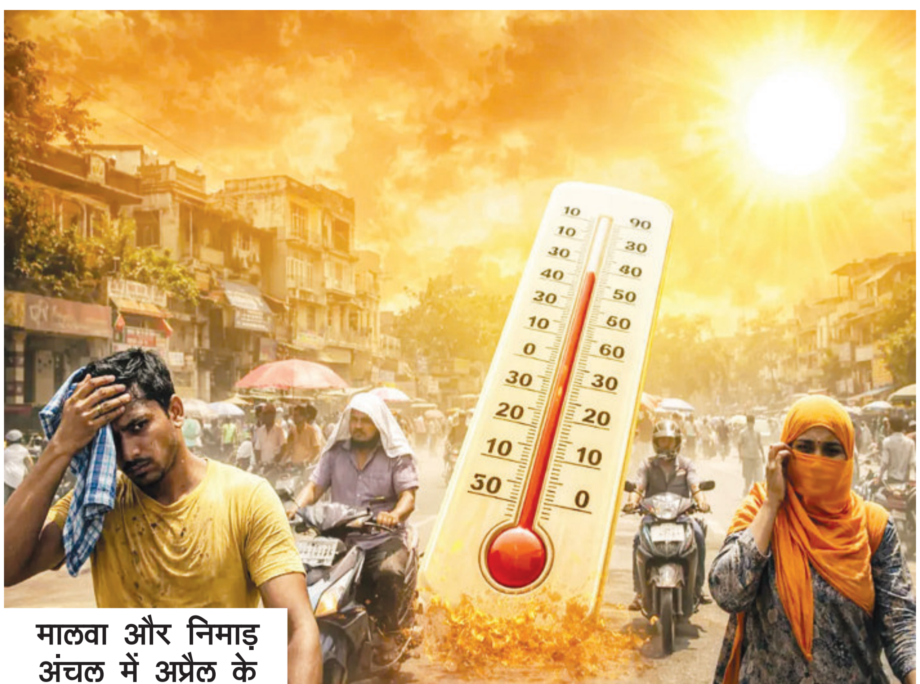

मालवा और निमाड़ अंचल में अप्रैल के महीने में ही भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है और पूरा क्षेत्र भट्टी की तरह तप रहा है। शुक्रवार को रतलाम में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो क्षेत्र में सबसे अधिक रहा। इसी तरह धार में 42.4, खरगोन में 42.0, खंडवा और उज्जैन में 41.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

रतलाम में पारा 43, इंदौर में 41 पार, 10 साल में पहली बार ऐसा मौसम

सुबह 11 बजे ही पारा 40 डिग्री तक पहुंचा

इंदौर में भी पारा 41.2 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले एक सप्ताह तक इस तपती गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। शनिवार को भी इंदौर में सुबह से भीषण गर्मी है। सुबह 7 बजे से ही तेज धूप लग रही है और 11 बजे ही पारा 40 डिग्री के पास पहुंच गया है।

इंदौर में सीजन का सबसे गर्म दिन

इंदौर शहर में शुक्रवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा जहां अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। इस साल यह पहली बार है जब पारा 41 डिग्री के स्तर को पार कर गया है। आंकड़ों के अनुसार 14 अप्रैल से ही शहर का तापमान लगातार 39 से 40 डिग्री या उससे अधिक बना हुआ है। शुक्रवार की दोपहर हवाओं की स्थिति लू जैसी रही जहां 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाले गर्म थपेड़ों ने लोगों को झुलसाने का अहसास कराया। अगले सात दिनों तक मौसम का यही कड़ा रुख बने रहने की आशंका है।

सुबह दस बजे से ही पारे की दौड़

इस गर्मी के मौसम में एक विशेष पैटर्न देखा जा रहा है कि सुबह 8 बजे तक मौसम सामान्य रहता है। लेकिन जैसे ही सूरज की किरणें तेज होती हैं पारा तेजी से बढ़ने लगता है। सुबह 10 बजे तक ही तापमान 36 डिग्री तक पहुंच जाता है और दोपहर होते-होते यह 40 डिग्री या उससे ऊपर निकल रहा है।

रात के तापमान में भी भारी बढ़ोतरी

लगातार 11 दिनों तक तापमान का 40 डिग्री से ऊपर बने रहना हीटवेव के पुराने रिकॉर्ड्स को चुनौती दे रहा है। खास बात यह है कि इस बार केवल दिन ही नहीं बल्कि रात का तापमान भी सामान्य से 4-5 डिग्री अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। रात में अधिक गर्मी होने के कारण लोगों को चौबीसों घंटे बेचैनी का सामना करना पड़ रहा है।

गर्मी बढ़ने के मुख्य कारण

मौसम वैज्ञानिकों ने इस अत्यधिक तपिश के पीछे का कारण हवाओं का रुख बताया है। वर्तमान में हवाएं पूरी तरह पश्चिमी हैं जो राजस्थान की ओर से गर्म हवाएं लेकर आ रही हैं। इसके साथ ही आसमान एकदम साफ होने की वजह से सूरज की किरणें सीधे जमीन तक पहुंच रही हैं जिससे गर्मी का असर कई गुना बढ़ गया है।

पिछले एक दशक में बदला ट्रेंड

इंदौर में अप्रैल महीने का औसत अधिकतम तापमान सामान्यतः 38.7 डिग्री तक रहता है। पारा 40 डिग्री के पार अक्सर अप्रैल के बाद ही जाता है। हालांकि पिछले 10 वर्षों में इस ट्रेंड में बड़ा बदलाव देखा गया है। अब अप्रैल की शुरुआत या मध्य में ही लगातार कई दिनों तक तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहने लगा है। मौसम वैज्ञानिक इसे बड़ा बदलाव मान रहे हैं।

ऐतिहासिक आंकड़ों पर एक नजर

अगर पुराने रिकॉर्ड्स को देखें तो साल 2019 का अप्रैल महीना भी इंदौर के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था। उस वर्ष महीने के आखिरी पखवाड़े में तापमान लगातार 40 से 43 डिग्री के बीच बना रहा था और लगभग 11 दिनों तक पारा 40 के पार रहा था। इसी प्रकार 2016 और 2017 में भी अप्रैल के अंतिम सप्ताह में 7 से 9 दिनों तक तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ था।

इंदौर में गहराया जल संकट

दावों और हकीकत में बड़ा अंतर, 1300 रुपए में मिल रहा पानी का टैंकर

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

नर्मदा का सप्लाई कम दबाव से हो रहा है, टंकियां पूरी नहीं भर पा रही हैं, जबकि जलकार्य समिति के प्रभारी कह रहे हैं कि टंकियां पूरी भर रही हैं। इसके बाद भी पानी के टैंकरों की डिमांड कम नहीं हो रही है। शहर में पानी सप्लाई की जिम्मेदारी निभाने वाले अफसर प्रताप बुंदेला और नरेश कुमार भास्कर शहर की स्थिति सामान्य मान रहे हैं। लेकिन शहर में पानी पूरा आने के बाद भी शहर प्यासा है।

अप्रैल में जून जैसे हालात

शहर में लगातार पानी की बढ़ती डिमांड को देखते हुए नगर निगम ने 120 पानी के नए टैंकर किराए पर लिए हैं। 100 टैंकर नगर निगम के स्वामित्व वाले हैं। इस तरह कुल 498 पानी के टैंकर इस समय दौड़ रहे हैं। यह संख्या अब तक का रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। हर साल मई और जून महीने में 500 टैंकरों की जरूरत पड़ती थी, लेकिन इस साल अप्रैल खत्म होने से पहले ही 500 टैंकर अटैच किए जा चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में टैंकर पहले 15 मई से जून के बीच अटैच होते थे। वहीं सूत्रों के मुताबिक इस वर्ष जून में निजी टैंकरों की संख्या रिकॉर्ड तोड़ सकती है और यह लगभग 600 के करीब पहुंच सकती है।

शहर में जल संकट!

नगर निगम जलकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा ने बताया कि जल संकट जैसी स्थिति नहीं है। नर्मदा के जलूद पंपिंग स्टेशन से इंदौर में 450 एमएलडी पानी प्रतिदिन छोड़ा जा रहा है, जिससे 105 नर्मदा पानी की टंकियां भर रही हैं। जरुरत पड़ने पर टैंकरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। एक दिन पहले छावनी क्षेत्र में लोगों ने सड़क रोककर प्रदर्शन किया। यहां कम प्रेशर से पानी पहुंच रहा है, जिसके कारण नर्मदा का पानी नहीं मिल रहा। स्कीम नंबर 54 के निवासी दीपक जैन ने बताया कि नर्मदा का पानी 10 से 15 मिनट तक ही आता है।

१३०० रुपए पहुंचा इंदौर में पानी के टैंकर का रेट

पानी की कमी को लेकर राजेश दीवाकर ने बताया कि नगर निगम एक दिन छोड़कर पानी देता है, लेकिन बिल पूरा लिया जा रहा है। नलों में पानी नहीं आ रहा, तो टैंकर भेजना चाहिए, लेकिन टैंकर के लिए भी मना किया जा रहा है। मिडिल क्लास लोगों को पानी के लिए मोटी रकम खर्च करके बाजार से निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिसकी कीमत फिलहाल 1000 से 1300 रुपए के बीच है।

स्वच्छता में नंबर वन शहर, पानी खरीदने को मजबूर

मतलब साफ है। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि नर्मदा का पानी इस समय शहर में बड़े स्तर पर बेचा जा रहा है। पानी की कमी बिचौलियों, कर्मचारियों और इंजीनियरों की वजह से हो रही है, ताकि पानी अधिक मात्रा में बेचा जा सके। भूजल विशेषज्ञ सीधीन्द्र मोहन शर्मा बताते है पारा 41 डिग्री पहुंच चुका है, हर दिन दौर में 50 बोरिंग का पानी सूख रहा है, जल स्तर 500 फीट नीचे जा चुका है। 300 से 400 फीट वाले बोरिंग से पानी की जगह कीचड़ गंदा पानी आ रहा है। महालक्ष्मी नगर, सांई कृपा, तुलसी नगर, बाणगंगा, बड़ा बागड़दा, निरंजनपुर, निपानिया, बिचौली मदार्ना सहित इंदौर के 80 प्रतिशत क्षेत्रों में बोरिंग सूख रहे है।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

■ समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,

■ ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।

■ ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।

■ हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं

■ हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।

■ जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा

■ यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है

■ अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं

■ हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

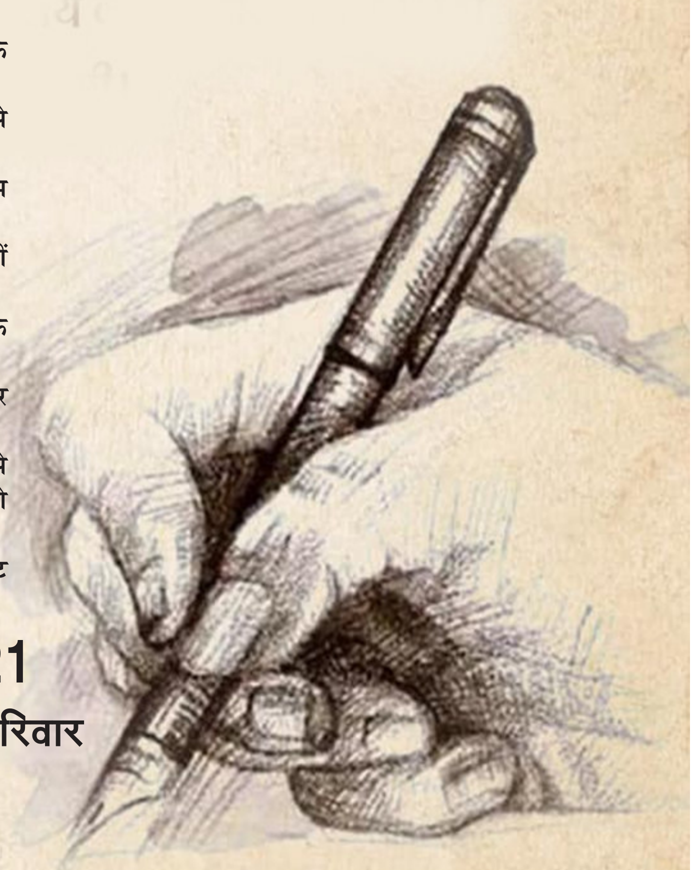

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

न्यायालय प्रक्रिया पर हावी हुआ गुंडाराज!

अवैध भांग की फैक्ट्री पकड़ाई

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की आबोहवा दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है, यहां नेता नगरी के नाम पर सत्ताधारी पार्टी का चोला ओढ़े छुटभैयन नेता ना सिर्फ गुंडागर्दी पर आमादा है बल्कि शहर की फिजाओं में नशा भी घोल रहे है। जी, हां ऐसा ही एक मामला इंदौर के विदुर नगर से सामने आया है जहां एक किराए का मकान खाली कराने गई न्यायालय एवं पुलिस फोर्स उस वक्त दंग रह गई जब मकान के अंदर अवैध भांग (मुनक्का) की फैक्ट्री संचालित होनी पाई गई।

दरअसल, पूरा मामला द्वारकापुरी थाना क्षेत्र का है जहां पर संजय मिश्रा पत्नी अंजू मिश्रा

पुत्र साहित्य मिश्रा पर अवैध रूप से घर पर कब्जा करने को लेकर मकान मालिक द्वारा द्वारकापुरी थाने में केस किया गया विगत दस वर्षों से चल रहे केस में आज कोर्ट के आदेश के बाद न्यायालय बल और द्वारापुरी थाना पुलिस द्वारा मकान का कब्जा दिलाने की प्रकिया के अंतर्गत कार्यवाही करने का प्रयत्न किया जिस पर उन्होंने पाया कि मकान नंबर 103/A (जिस मकान पर बजावरी प्रक्रिया के अंतर्गत बल पहुंचा) उससे लगे मकान नंबर 102 के अंदर भी अवैध रूप से भांग की फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा है। जिसमें लाइसेंसी साहित्य। मिश्रा के पिता संजय मिश्रा के मकान से जिसमें बड़े पैमाने पर भांग (मुनक्का) बनाई जा रही थी, जिसके बाद मकान में मौजूद महिला अंजू मिश्रा और कार्यरत महिलाओं द्वारा बल को अपशब्द कहे गए, अभद्रता की गई, जान माल की धमकी दी गई, मीडियाकर्मी के साथ खींचतान एवं कैमरा तोड़ना के साथ ही शासकीय कार्य में बाधा डालने का प्रयत्न किया गया। जिसके बाद न्यायलय और पुलिस बल को वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा।

आबकारी के वैध लाइसेंसी का अवैध साम्राज्य!

जिसके बाद उक्त विषय में संज्ञान लेकर आबकारी विभाग द्वारा दमदार कार्रवाई की गई जहां कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन व सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आरोपी संजय मिश्रा के घर से भांग के अवैध धारण का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। उक्त प्रकरण में जहां पुलिस द्वारा कार्यवाही पूर्ण ना हो पाई वहां आबकारी विभाग ने जबरदस्त कार्यवाही करते हुए 1182 किलोग्राम भांग बुरादा जब्त किया गया जिसकी अनुमानित कीमत करीब पाँच लाख बताई जा रही है। गौरतलब है कि जबसे इंदौर में आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी की पोस्टिंग हुई है लगभग तब से ही अवैध नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। मामले में विश्वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि ये तो केवल एक खेप है जो कि पकड़ाई है ऐसी कई और अन्य खेप का होना भी संभावित है क्योंकि आरोपी संजय मिश्रा, पुत्र साहित्य। मिश्रा, पत्नी अंजू मिश्रा आदतन आरोपी है और उनके कारनामे जग जाहिर है।

यहां सवाल यह है कि लंबे समय से विवादित संजय मिश्रा, चेकबाउंस केस में फरार चल रही अंजू मिश्रा, बीजेपी का चोला ओढ़े लिस्टेड बदमाश साहित्य मिश्रा आखिर कैसे पुलिस की नाक के नीचे इतने सालों तक नशे का कारोबार करते रहे, आखिर कैसे द्वारकापुरी। पुलिस 30- 4- 2025 से फरार अंजू मिश्रा जो उसी घर में रह रही थी उसे पकड़ ना सकी, लिस्टेड बदमाश की साहित्य मिश्रा पहले भी अखबारों की सुर्खियों में मकान दुकान पर अवैध कब्जे एवं निर्माण के मामलों में लिस्टेड है, अपने बाप की छत्रछाया में आखिर कैसे इतने सालों तक अवैध गतिविधियों की बादशाहत करता रहा।

मामले में आबकारी विभाग द्वारा आगे भी कार्यवाही की जाएगी इसके अन्य ठिकानों पर भी दबिश दी जा सकती है। साथ शासकीय कार्य में बाधा डालने और पूर्व के मामलो को देखते हुए न्यायालय एवं पुलिस द्वारा आरोपियों पर जल्द से जल्द कार्यवाही की जानी संभावित है।

क्या रसूख के दम पर चलते है इंदौर के विभाग

■ एक किराए के घर में सालों से अवैध रूप से भांग फैक्ट्री संचालित होती आ रही आखिर कैसे? द्वारकापुरी थाना पुलिस से आखिर इतनी बड़ी चूक कैसे? बिना मकान मालिक की सहमति आखिर कैसे आबकारी द्वारा भांग फैक्ट्री लाइसेंस की अनुमति?

■ आखिर कैसे नगर निगम के क्षेत्र छाया में रहवासी मकान मकान में अवैधानिक रूप से व्यवसायिक उपयोग चले आया शायद महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ तस्वीरें लेने और खुद को उनका करीबी बताने वाले साहित्य पर नियम लागू नहीं होते!

■ मकान नंबर 102 में संचालित अवैध पान मसाला एवं मनुक्का फैक्ट्री पर घरेलू मीटर आखिर एम.पी.ई.बी की बत्ती नहीं जली?

■ मकान नंबर 102 में गुटका, पान मसाला भी अवैध रूप से बन रहा था आखिर सेंट्रल एक्साइज कैसे मात खा गया?

■ एक लिस्टेड आरोपी को लाइसेंस देने और लाइसेंसी होने के बावजूद अवैध भंडारण, फैक्ट्री जैसे गैरकानूनी चीजों में लिप्त साहित्य मिश्रा और उसके पिता संजय मिश्रा पर कार्यवाही क्यों नहीं..!

परिणाम की उत्कृष्टता विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य की नींव होती है - सहायक आयुक्त

सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण से शिक्षा रूचिकर हो जाती है - पाठक

धार । शांतिलाल मालवीया

कुक्षी उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम केवल विद्यालय की पहचान नहीं होते अपितु विद्यार्थियों के भविष्य की मजबूत बुनियाद खड़ी करते हैं । प्राचार्य अपनी समर्पित और लगनशील कार्यशैली से विद्यालय में अनुशासित व्यवस्था के बल पर असंभव को भी संभव बनाने का सामर्थ्य रखते हैं । विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति , शिक्षकों के नियमित कालांश में जाने , मासिक प्रगति रिपोर्ट तथा प्राचार्य की सतत मॉनिटरिंग के द्वारा संस्था का परिणाम बेहतर लाया जा सकता है । उक्त विचार शैक्षणिक परिदृश्य को सुदृढ़ बनाने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कुक्षी में चार विकासखंडों के लिए आयोजित समीक्षा बैठक में जनजातीय कार्य विभाग धार के सहायक आयुक्त नरोत्तम बरकड़े ने व्यक्त किए । आपने बोर्ड परीक्षा परिणाम की समीक्षा करते हुए शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए । इस अवसर पर सहायक संचालक आनन्द कुमार पाठक ने कहा कि बेहतर परीक्षा परिणाम शिक्षकों के प्रयास मात्र से ही नहीं प्राचार्य के कुशल नेतृत्व , सतत निगरानी तथा विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति से संभव होते हैं । आपने कहा कि अपेक्षानुरूप परीक्षा परिणाम न होने वाली संस्थाओं के प्राचार्यों को अपनी कार्यशैली में बदलाव करने , शिक्षकों की नियमित मॉनिटरिंग तथा विद्यार्थियों की नियमितता के साथ नियमित कक्षा अध्यापन पर ध्यान देने की आवश्यकता है ।

शत- प्रतिशत परिणाम देने वाली संस्था के प्राचार्य हुए सम्मानित

कुक्षी सहित बाग , डही , निसरपुर विकासखंड की इस समीक्षा बैठक में प्राचार्य इएमआरएस कुक्षी विजय कुमार साहू , कुक्षी , डही व बाग के विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा , अनिल मारू तथा डी. एस. बघेल की उपस्थिति में निसरपुर की 4 , कुक्षी की 2 तथा डही की एक संस्था के प्राचार्यों को शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने पर प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिह्न भेंट सहायक आयुक्त द्वारा सम्मानित किया गया । बैठक में निर्देशित किया गया कि प्राचार्य अपने स्टॉफ तथा विद्यार्थियों से समय - समय पर संवाद करते रहें। विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने हेतु कार्ययोजना बनाकर विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्य धारा से पुनः जोड़ें । नवीन शैक्षणिक सत्र में बेहतर और उत्तरोत्तर परीक्षा परिणाम प्राप्त हो सके इस हेतु सत्र के प्रारंभ से ही कार्ययोजना बनाकर उसे मूर्त रूप देवें । जल गंगा संवर्द्धन के तहत पानी की टंकियों की नियमित सफाई करवाएं , वृक्षारोपण हेतु पूर्व तैयारी करें । टायलेट की मरम्मत के प्रस्ताव हो तो भिजवाएं । एसएमडीसी की नियमित बैठक लेवें , आवश्यक विषयों के ठहराव प्रस्ताव करें तथा एसएमडीसी में प्राप्त राशि का मदवार खर्च हेतु प्रशासकीय अनुमति प्राप्त करें । वर्षा ऋतु के पूर्व संस्था की छत की सफाई करवाएं ।

ट्रेज़र टाउन क्लब में गूंजा स्क्वैश का जोश, बच्चों ने जीते दिल

इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में स्क्वैश खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इंदौर एलीट स्क्वैश अकादमी द्वारा 'पहला इंदौर एलीट जूनियर ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट' का सफल आयोजन ट्रेज़र टाउन क्लब में किया गया। इस प्रतियोगिता में शहर के युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में अंडर-15, अंडर-13, अंडर-11 और अंडर-9 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। अंडर-15 बालिका वर्ग में रूकियाह राओतीवाला, सलोनी मंत्री, इंसिया देवासवाला और एरिका कोठरी ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। वहीं बालक वर्ग में आदित्य गोयल, निर्मय मित्तल, अथर्व दासुंदी और आरव झवर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

अंडर-13 बालिका वर्ग में काव्या बोहरा, गुरशेहर बैंस, अक्षिता मंत्री और अनिका बंडी ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि बालक वर्ग में प्रणवत होरा, हुसैन देवासवाला, निर्मय मित्तल और ह्रदय दवानी विजेता रहे। अंडर-11 बालक वर्ग में दर्श मारहोत्रा, युवान बांडी, रुद्रांश जैन और हुसैन देवासवाला ने जीत दर्ज की, जबकि बालिका वर्ग में अनिका बाजपेई और गुरशहर बैंस ने प्रभावशाली खेल दिखाया। अंडर-9 बालिका वर्ग में अनाया अग्रवाल, काव्या बोथरा, विहा शाह और अनिका बाजपेई विजेता रहीं। वहीं बालक वर्ग में सनय खंडेलवाल, सूर्यांश तोमर, युवान बंडी और अथर्व मित्तल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त ऊर्जा, उत्साह और प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। हर मैच रोमांच से भरपूर रहा और युवा खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस आयोजन का संचालन इंदौर एलीट स्क्वैश अकादमी के डायरेक्टर एवं कोच विकास रायकवार द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें एक प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों के लिए सीखने का अवसर साबित हुआ, बल्कि इंदौर में स्क्वैश खेल के विकास की दिशा में एक मजबूत कदम भी माना जा रहा है।

केंद्रीय जेल इंदौर में भव्य राम कथा

श्री वरुण कपूर IPS महानिदेशक जेल रहे मुख्य अतिथि

इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर स्थित केंद्रीय जेल में बंदियों के मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान हेतु आज राम कथा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेल महानिदेशक श्री वरुण कपूर IPS एवं उनकी धर्मपत्नि डॉ सौम्या कपूर जी रहे। कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचक पूज्य राम जी महाराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री वरुण कपूर ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'भगवान श्रीराम का जीवन हमें मर्यादा, सत्य और धैर्य का संदेश देता है। राम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला माध्यम है।' उन्होंने बंदियों से आह्वान किया कि वे सकारात्मक सोच के साथ अपने जीवन में सुधार लाएं और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का प्रयास करें। पूज्य राम जी महाराज ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों और उनके जीवन प्रसंगों का ओजस्वी वाणी में सुंदर वर्णन किया, जिसे सुनकर बंदी भाव-विभोर हो गए। कथा के दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। केंद्रीय जेल अधीक्षक डॉ अलका सोनकर ने बताया कि इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बंदियों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आता है और उनमें सुधार की भावना जागृत होती है। जेल प्रशासन द्वारा समय-समय पर ऐसे आयोजन कराए जाते हैं ताकि बंदी समाज से जुड़ाव महसूस कर सकें। कार्यक्रम में जेल के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में बंदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

सेंट्रल जेल में लगी लोक अदालत, छोटी धाराओं वाले 30 प्रकरणों का हुआ निराकरण

इंदौर । संभाग पोस्ट

न्यायालयों में चल रहे छोटे लंबित प्रकरणों का निराकरण तथा जिलों में कैदियों की संख्या कम करने के उद्देश्य से आज सेंट्रल जेल में लोक अदालत लगाई गई। जिसमें 30 प्रकरणों का निराकरण आपसी समझौते के जरिए किया गया। केंद्रीय जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने बताया कि राजीनामा योग्य 30 प्रकरण जेल प्रशासन ने लोक अदालत में रखे थे, जो तीन वर्षों और उससे ज्यादा समय से लंबित थे। सुबह शुरू हुई लोक अदालत में एडीजे अपर सत्र न्यायाधीश अयाज खान एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मुकेश गुप्ता ने कैदियों के इन मामलों को सुना और आपसी समझौते के जरिए उनका निराकरण किया। जेल के मुख्य सभा कक्ष में हुई लोक अदालत में कैदियों को सुबह से ही बैठा दिया गया था। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर लगाई गई इस लोक अदालत के मौके जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डालसा के सचिव शिवराज गवली ने जेल में निरुद्ध कैदियों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की लोक अदालत से लोगों का न्याय प्रणाली की प्रति विश्वास भी बढ़ा है। कार्यक्रम के अंत में केन्द्रीय जेल अधीक्षक डॉ. अलका सोनकर ने मुख्य अतिथि महोदय एवं सभी उपस्थित अधिकारियों, अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बंदियों में न्याय प्रणाली के प्रति विश्वास बढ़ाते हैं। इस अवसर पर जेल के अधिकारी, कर्मचारी, विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य, अधिवक्तागण एवं बड़ी संख्या में बंदी उपस्थित रहे।

सिंहस्थ २०२८ में ओंकारेश्वर जाएंगे ६ करोड़ से अधिक भक्त, प्रशासन बनाएगा हाईटेक कॉरिडोर

भोपाल । विशेष प्रतिनिधि

अपर प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास संजय दुबे ने निर्देश दिए हैं कि सिंहस्थ 2028 के लिए ओंकारेश्वर में किए जाने वाले समस्त निर्माण कार्यों में भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में सिंहस्थ के दौरान अनुमानित दर्शन क्षमता के अनुसार भीड़ प्रबंधन हेतु होल्डिंग एरिया विकसित किए जाएं। साथ ही आमजन और विशिष्टजन के लिए पृथक कॉरिडोर तथा आपातकालीन चिकित्सा रूट की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पार्किंग क्षेत्रों में ईवी चार्जिंग पॉइंट, ई-कार्ट, बैटरी संचालित साइकिल और व्हीलचेयर का प्रबंध किया जाए। पैदल यात्रियों के लिए उचित दूरी पर पेयजल व्यवस्था और घाटों के समीप कुंड निर्माण के निर्देश भी दिए गए। दुबे ने टेंडर प्रक्रिया, बजट प्रावधान और वर्तमान में जारी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

मास्टरप्लान और सुरक्षा बलों की तैनाती पर निर्देश

अपर मुख्य सचिव दुबे ने कहा कि कुबेर भंडारी और ट्रेंचिंग ग्राउंड पर प्रस्तावित पार्किंग सुविधाओं के लिए मास्टरप्लान के अनुसार वन विभाग की अनुमति शीघ्र प्राप्त की जाए। सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में उन्होंने निर्देश दिए कि गृह विभाग के जवानों की मंदिर, घाट और पार्किंग जैसे क्षेत्रों के लिए स्पॉट ट्रेनिंग कराई जाए और उन्हें केवल उनके प्रशिक्षण वाले विशिष्ट क्षेत्रों में ही तैनात किया जाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक के पूर्व उन्होंने स्वयं निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

छह करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान

बैठक के दौरान खण्डवा जिला कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने जानकारी दी कि सिंहस्थ 2028 में लगभग 6 करोड़ श्रद्धालुओं के ओंकारेश्वर पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने इस विशाल संख्या को देखते हुए मोरटक्का रेलवे स्टेशन, कोठी से ओंकारेश्वर लेफ्ट बाईपास और ओंकारेश्वर से कोठी राइट बाईपास रोड सहित अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक डॉ इलैयाराजा टी सहित गृह, स्वास्थ्य, वन, लोक निर्माण, सेतु व सड़क, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण और विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मानवता की मिसालः असहाय कैदी का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार

इंदौर । संभाग पोस्ट

सेंट्रल जेल इंदौर में बंद एक कैदी की उपचार के दौरान मृत्यु हो जाने के बाद उसके परिजन आर्थिक तंगी के चलते अंतिम संस्कार करने में असमर्थ थे। इस संवेदनशील स्थिति में पुलिस प्रशासन की सूचना पर समाजसेवी संस्था श्री एकाक्ष सामाजिक सेवा संस्था आगे आई और मानवता का परिचय देते हुए मृतक का पूर्ण विधि-विधान से अंतिम संस्कार कराया। संस्था द्वारा जूनी इंदौर स्थित मुक्तिधाम पर पूरे सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार संपन्न किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की। इस सेवा कार्य में नरेंद्र वर्मा, सुनील ठाकुर, सन्नी जैसवाल, कृष्णा सोनी, रामगोपाल श्रीवास्तव,अन्नू नायक एवं हिमांशु सक्सेना एवं चिराग फाउंडेशन के प्रदीप यादव एवं विशाखा सहित अन्य सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे। संस्था श्री एकाक्ष द्वारा किया गया यह कार्य समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है, जहां मानवता को सर्वोपरि रखते हुए जरूरतमंद की सहायता की गई।

इंदौर में महिला एसीपी के लापता पति राजस्थान में मिले, तलाश में जुटी थी पुलिस की कई टीमें, विवाद के बाद छोड़े थे घर

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

पीटीसी में रहने वालीं एक महिला एसीपी के पति रविवार और सोमवार की दरमियानी रात अचानक लापता हो गए थे। इसके बाद महिला एसीपी ने आजाद नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस ने उनका लोकेशन ट्रेक किया है और राजस्थान के निंबाहेड़ा से बरामद किया है। बताया जा रहा है कि घर में हुए विवाद के बाद वे सरकारी जीप लेकर निकल गए थे। इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल रहा था। जानकारी के अनुसार रात में एसीपी और उनके पति के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद के बाद पति घर से सरकारी वाहन लेकर निकल गए। जाते समय उन्होंने ऐसी बातें कही थीं, जिससे किसी अनहोनी की आशंका जताई जा रही है। इसी कारण एसीपी ने देर किए बिना थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही इंदौर के आजाद नगर थाना पुलिस हरकत में आ गई। मामले को संवेदनशील मानते हुए तुरंत टीम गठित की गई और तलाश शुरू कर दी गई। सूत्रों के मुताबिक मोबाइल लोकेशन के आधार पर उनकी आखिरी लोकेशन राजस्थान के डग-बड़ौद क्षेत्र में मिली है। इसके बाद पुलिस की एक टीम वहां के लिए रवाना की गई है और आसपास के इलाकों में भी खोजबीन की जा रही थी। उन्हें निंबाहेड़ा से बरामद किया गया है। इंदौर पुलिस उन्हें राजस्थान से लेकर लौट रही है। इतना ही नहीं एसीपी ने अपने सर्कल के दूसरे थाने से भी एक अलग टीम भेजी है ताकि तलाश का दायरा बढ़ाया जा सके। पुलिस लगातार तकनीकी माध्यमों से लोकेशन ट्रैक कर रही है।मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला एसीपी खुद भी इंदौर से डग-बड़ौद के लिए रवाना हो गई हैं। वे लगातार पुलिस टीमों के संपर्क में हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इस पूरे मामले की जानकारी अभी तक वरिष्ठ अधिकारियों को औपचारिक रूप से नहीं दी गई है। अब मिलने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है।

इंदौर में सड़क पर गाड़ी खड़ी करने को लेकर झड़पः पत्थरबाजी में बदला विवाद -कई घायल

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के छत्रीपुरा थाना क्षेत्र स्थित कंजर मोहल्ले में मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। सड़क पर गाड़ी खड़ी करने को लेकर शुरू हुआ झगड़ा देखते ही देखते पत्थरबाजी और मारपीट में बदल गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के मुताबिक, रोहित नामक युवक द्वारा गाड़ी खड़ी करने को लेकर स्थानीय लोगों से कहासुनी शुरू हुई थी। पहले तो मामला सिर्फ बहस और गाली-गलौज तक सीमित था, लेकिन कुछ ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक पक्ष पहले मौके से हट गया, लेकिन थोड़ी देर बाद अपने साथियों के साथ दोबारा लौटकर आया और फिर हमला कर दिया। इसके बाद हालात पूरी तरह बेकाबू हो गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले और पत्थरबाजी शुरू हो गई। इस दौरान अमित और उसके साथियों पर गंभीर हमला किए जाने का आरोप सामने आया है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे हैं। हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए। घायलों में एक पक्ष के दो और दूसरे पक्ष के तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे, जहां देर तक हंगामा चलता रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी गई है।

सुबह से सड़कों पर एक्शन में दिखे निगम कमिश्नर

बारिश से पहले नालों की सफाई के निर्देश दिए

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और आगामी मानसून के दौरान जलभराव की संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए नगर निगम प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में सोमवार को नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने शहर की मास्टर प्लान वाली प्रमुख सड़कों और विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मैदानी स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नालों की सफाई और सड़क निर्माण को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

अधिकारियों से कहा समयसीमा में काम पूरे करें

निगम कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान कलाल कुई रोड, चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि होते हुए मच्छी बाजार रोड और गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार रोड तक का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को हिदायत दी कि मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को जल्द से जल्द बेहतर ट्रैफिक सुविधा मिल सके। उन्होंने विशेष तौर पर कलाल कुई मस्जिद रोड के निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा।

मानसून से पहले नालों की सफाई पूरी करने के निर्देश दिए

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने विभिन्न क्षेत्रों सहित पीलिया खाल नाले की वर्तमान स्थिति को भी देखा। मानसून के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए उन्होंने जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने और नालों की सफाई को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि मार्ग के शेष निर्माण कार्यों को भी शीघ्र समाप्त करने पर जोर दिया ताकि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यातायात का संचालन सुचारू रूप से हो सके और राहगीरों को आवागमन में किसी बाधा का सामना न करना पड़े।

यातायात के दबाव को कम करने के लिए कहा

गुटकेश्वर से सदर बाजार रोड के मध्य स्थित पुलिया के चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए निगम कमिश्नर ने इसे जल्द पूरा करने की बात कही। उनका मानना है कि इन प्रमुख परियोजनाओं के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों में ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा और वाहन चालकों के लिए आवाजाही सुगम होगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने मेघदूत गार्डन स्थित ट्रंप कंपोज्ड प्लांट और ट्रीटेड पानी हाइड्रेन का भी अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल और पराग अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्ची को बचाने हाथ जोड़ते रहे बेबस माता-पिता, डंडा लेकर बीच सड़क धमकाता रहा गुंडा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में सड़क चलते लोगों को गाड़ी की टक्कर के नाम पर लूटने के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इसी तरह का एक मामला एरोड्रम थाना क्षेत्र अंतर्गत बांगड़दा रोड पर हुआ। यहां एक अज्ञात बदमाश ने कार में सवार एक दंपती और उनकी दो वर्षीय मासूम बच्ची पर डंडे से हमला करने का प्रयास किया। इस पूरी घटना का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी के निवास स्थान पर दबिश दी, हालांकि आरोपी फिलहाल पुलिस की पकड़ से बाहर है।

शादी का कार्ड देने इंदौर आया था परिवार

एरोड्म पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, उज्जैन के नागदा क्षेत्र के रहने वाले अंकित सैनी अपनी पत्नी संध्या और दो साल की बेटी के साथ इंदौर आए थे। वे अपने किसी रिश्तेदार को वैवाहिक कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र देने के लिए बांगड़दा क्षेत्र पहुंचे थे। इसी दौरान कालका माता मंदिर चौराहे के समीप एक बदमाश ने अचानक उनकी कार के सामने आकर रास्ता रोक लिया और हाथ में डंडा लेकर खड़ा हो गया।

डरा-धमका कर वसूली करता है आरोपी

घटना के दौरान आरोपी ने अंकित की कार से टक्कर लगने का झूठा आरोप लगाते हुए विवाद करना शुरू कर दिया। बदमाश के उग्र व्यवहार को देखकर कार के भीतर बैठी महिला बुरी तरह डर गई और उसने हाथ जोड़कर आरोपी से परिवार को छोड़ने की प्रार्थना की। बताया जा रहा है कि आरोपी जानबूझकर वाहनों से टकराने का नाटक करता है ताकि वह वाहन चालकों को डरा-धमका सके और उनसे अवैध रूप से रुपयों की वसूली कर सके।

पुलिस के आने से पहले ही घर से भाग गया आरोपी

पीड़ित परिवार ने सूझबूझ दिखाते हुए कार के अंदर से ही इस पूरी वारदात का वीडियो बना लिया और बाद में इसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो के वायरल होते ही पुलिस ने तत्परता दिखाई और आरोपी की पहचान दुर्गा कॉलोनी निवासी मंगल शर्मा के रूप में की। पुलिस बल ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके घर पर छापा मारा, लेकिन वह वहां नहीं मिला। फिलहाल पुलिस आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948